पंजीकरण प्रमाण-पत्र (प्रपत्र-1 ड)

चीनी उद्योग, को-जनरेशन एवं आसवनी प्रोत्साहन नीति-2013 के अन्तर्गत

कम्पनी /इकाई को पंजीकृत किये जाने का प्रमाण पत्र

संख्या-11/2017/पंजी0-05एस0सी0/18-2-17-64/2013

प्रेषक,

प्रमुख सचिव,
चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग,
उत्तर प्रदेश,
लखनऊ।

सेवा में,

अधिकृत प्रतिनिधि
डी0एस0सी0एल0 शुगर (डी0सी0एम0 श्रीराम)
हरियाँवा-जनपद-हरदोई।

चीनी उद्योग अनुभाग-2 लखनऊ : दिनांक 05 सितम्बर, 2017

विषय- चीनी उद्योग, को-जनरेशन एवं आसवनी प्रोत्साहन नीति-2013 के अन्तर्गत पंजीकृत किये जाने के संबंध में।

महोदय,

चीनी उद्योग, कोजनरेशन एवं आसवनी प्रोत्साहन नीति-2013 के अन्तर्गत कृपया अपने आवेदन दिनांक 20.07.17 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। आपके उक्त आवेदन के क्रम में आपकी कम्पनी/इकाई को चीनी उद्योग, को-जेनरेशन एवं आसवनी प्रोत्साहन नीति-2013 के अन्तर्गत निम्न चीनी मिल/को-जेनरेशन/आसवनी की स्थापना/क्षमता विस्तार के लिए पंजीकृत किया जाता है:-

क्र0 सं0	चीनी मिल/को-जेनरेशन /आसवनी का नाम	नई स्थापना/ क्षमता विस्तार	स्थापित क्षमता/ विस्तारित क्षमता	गांव, तहसील एवं जनपद नाम
1	डी0एस0सी0एल0 (डी0सी0एम0 श्रीराम) हरियाँवा 1- आसवनी	नई स्थापना	150 के0एल0पी0डी0	ग्राम व पोस्ट हरियाँवा जनपद-हरदोई।

(i)- पंजीकरण के पश्चात् कम्पनी/इकाई द्वारा गन्ना आयुक्त को परियोजना के संबंध में मासिक प्रगति आख्या प्रस्तुत की जायेगी एवं परियोजना के क्रियान्वयन का नियमित अनुश्रवण गन्ना आयुक्त द्वारा किया जायेगा। उक्त अनुश्रवण परियोजना की पूर्णता एवं व्यावसायिक उत्पादन प्रारम्भ होने तक किया जायगा।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

(ii)- यह स्पष्ट किया जाता है कि केवल पंजीकरण प्रमाण-पत्र प्राप्त होने पर कम्पनी/इकाई नीति के अन्तर्गत देय छूटों/रियायतों को प्राप्त करने हेतु अनुमन्य नहीं हो जाती हैं। नीति की शर्तों के अनुपालन करने तथा व्यावसायिक उत्पादन प्रारम्भ करने पर ही विभिन्न शासनादेशों में निर्धारित व्यवस्था के अनुसार कम्पनी/इकाई को नीति के अन्तर्गत देय छूटों/अनुदान एवं अन्य रियायतें अनुमन्य होंगी। व्यावसायिक उत्पादन प्रारम्भ करने से पूर्व कम्पनी/इकाई केवल भूमि के क्रय पर देय स्टाम्प ड्यूटी एवं रजिस्ट्रेशन शुल्क की छूट प्राप्त कर सकती, जिसकी व्यवस्था कर एवं निबंधन विभाग के संबंधित शासनादेश में दी गई है।

(iii)- व्यावसायिक उत्पादन प्रारम्भ होने के पश्चात् विभिन्न शासनादेशों में दी गई व्यवस्था के अनुसार नीति के अन्तर्गत देय सुविधाओं को प्राप्त करने हेतु आवेदन कम्पनी/इकाई द्वारा निर्धारित प्रारूपों में गन्ना आयुक्त को प्रस्तुत किया जायेगा।

भवदीय,

(संजय आर. भूसरेड्डी)
प्रमुख सचिव।

संख्या-11/2017/पंजी-05(1)एस0सी0/18-2-17 तद्दिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन।
2- प्रमुख सचिव, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग, उत्तर प्रदेश शासन।
3- प्रमुख सचिव/सचिव, वित्त विभाग, उत्तर प्रदेश शासन।
4- प्रमुख सचिव, न्याय विभाग, उत्तर प्रदेश शासन।
5- प्रमुख सचिव/सचिव, कर एवं निबन्धन विभाग, उत्तर प्रदेश शासन।
6- प्रमुख सचिव/सचिव, आबकारी विभाग, उत्तर प्रदेश शासन।
7- प्रमुख सचिव/सचिव, ऊर्जा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन।
8- गन्ना एवं चीनी आयुक्त, उत्तर प्रदेश।
9- आयुक्त व्यापार कर, उत्तर प्रदेश।
10- सम्बन्धित जिलाधिकारी।

आज्ञा से,

(नरेश बहादुर)
विशेष सचिव।

http://shasanadesh.up.nic.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।